CBSE Test Paper 04

पत्र लेखन

1. अपनी गलत आदतों का पश्चात्ताप करते हुए अपनी माताजी को पत्र लिखिए और उन्हें आश्वासन दिलाइए कि फिर ऐसा न होगा।

2. सभी औपचारिकताएँ पूर्ण करने के उपरान्त भी 'आधार पहचान पत्र' न मिलने की शिकायत करते हुए अपने क्षेत्र से संबद्ध अधिकारी को पत्र लिखिए।

3. शिक्षक दिवस के उपलक्ष्य पर शिक्षकों के सम्मान हेतु विद्यार्थियों द्वारा आयोजित कार्यक्रम का वर्णन करते हुए बड़ी बहन को पत्र लिखिए।

4. अपने प्रधानाचार्य को पत्र लिखकर अनुरोध कीजिए कि ग्रीष्मावकाश में विद्यालय में रंगमंच प्रशिक्षण के लिए एक कार्यशाला राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय के सहयोग से आयोजित की जाए। इसकी उपयोगिता भी लिखिए।

CBSE Test Paper 04

पत्र लेखन

Answer

1. रीठोला, नई दिल्ली
   २४ मार्च २०१९
   आदरणीया माताजी,
   चरण कमल स्पर्श
   कल २३ मार्च की शाम को मैं बाज़ार गया था वहाँ एक दुकान के काउंटर पर किसी का सुंदर पेन देखकर मेरा मन ललचा गया और आपको पता है कि पेन इकट्ठा करने का मुझे कितना शौक है इसीलिए मैंने बिना कुछ सोचे समझे उसे उठा लिया यद्यपि मैं सिर्फ उसे अपने हाथों में देखना चाहता था,वहाँ बहुत भीड़ थी और पेन न पाकर दुकानदार ने शोर मचा दिया और लोग मुझे देख रहे थे क्योंकि मैं उस पेन को देखने में व्यस्त था। मुझे बड़ी शर्मिंदगी हुई और इससे पूरे परिवार का नाम बदनाम हुआ। मुझे खेद है कि मुझे ऐसा नहीं करना चाहिए था।
   अतः आपसे क्षमा याचना करता हूँ। मैं आपको विश्वास दिलाता हूँ कि भविष्य में ऐसी पुनरावृत्ति नहीं होगी।
   आपका आज्ञाकारी बेटा
   दिनेश

2. सेवा में,
   विकास खंड अधिकारी
   नगर निगम
   जिला-नजफगढ़
   विषय-आधार पहचान पत्र न मिलने की शिकायत
   महोदय,
   दिनांक 16.01.18 को नजफगढ़ विकास खण्ड के कर्मचारियों ने नागरिकों के 'आधार पहचान पत्र' बनाने के लिए जगह-जगह कैम्प लगाए गए थे। ऐसा ही एक कैम्प राज नगर नजफगढ़ में स्थित मुंशी महाराज इंटर कॉलेज में भी लगा था जहाँ मैंने समस्त औपचारिकताएँ पूरी कर अपना 'आधार पहचान पत्र' तैयार करवाने की समस्त प्रक्रिया पूरी कर दी । मुझसे कहा गया था कि एक माह के भीतर ही आपका 'आधार पहचान पत्र' आपके पते पर डाक से भेज दिया जाएगा किन्तु खेद है कि दो माह बीतने के बाद भी अभी तक मेरा आधार पहचान पत्र नहीं आया है और जब संबन्धित कार्यालय में पूछताछ के लिए गया तब भी कोई संतोषजनक उत्तर नहीं मिला और ही किसी कर्मचारी ने मेरी परेशानी समझने का प्रयत्न किया। वर्तमान समय में यह पहचान पत्र नागरिकों के लिए अत्यन्त आवश्यक है। यह आई. डी. प्राप्त तो है ही साथ ही बैंक,पोस्ट ऑफिस, रेल,आयकर विभाग आदि में भी मान्य हैं। पासपोर्ट बनाने में भी आधार पहचान-पत्र की उपयोगिता है। मुझे अपने शैक्षिक कार्य के लिए उसकी अत्यंत आवश्यकता है।
   अतः आपसे निवेदन है कि मेरा आधार पहचान-पत्र शीघ्र ही प्रदान करने की कृपा करें क्योंकि मेरे कई जरूरी कार्य इससे

प्रभावित हो रहे हैं ।
धन्यवाद
भवदीय
विवेक कुमार
शिवपुरी
नजफ़गढ़

3. मानक नगर, नई दिल्ली
२४ मार्च २०१९
आदरणीया अग्रजा
सादर प्रणाम
आप कैसी हैं ? बहुत दिनों से कोई समाचार नहीं मिला। मैं ईश्वर से आपकी कुशलता की कामना करती हूँ। मैं इस पत्र में अपने विद्यालय में मनाए गए शिक्षक दिवस के बारे में बता रही हूँ। 5 सितम्बर को हमारे विद्यालय में शिक्षक दिवस धूमधाम से मनाया गया था। इस दिन प्रधानाचार्य द्वारा शिक्षकों का सम्मान किया गया और अलग-अलग श्रेणियों में उन्हें सम्मानित भी किया गया। हम सब विद्यार्थियों ने ही उस दिन कक्षाएँ लीं | शिक्षकों के सम्मान में हम सब छात्र-छात्राओं ने अनेक प्रकार के सांस्कृतिक कार्यक्रम, नृत्य, संगीत आदि का आयोजन किया। हम सबने अध्यापकों के मनोरंजन के लिए कई रोचक खेलों का भी आयोजन किया जिसमें सभी ने प्रसन्नता पूर्वक भाग लिया और उन्हें मजा भी आया। प्रबन्धक महोदय द्वारा समस्त शिक्षकों को उपहार प्रदान किए गए और अन्त में भोज हुआ। शिक्षकगण भी बहुत प्रसन्न हुए। इस प्रकार यह शिक्षक दिवस का समारोह एक यादगार दिन बन गया। निश्चित ही मैं यह दिन मैं हमेशा याद रखूंगी।
माँ-पिताजी को मेरा सादर प्रणाम व छोटे भाई को शुभाशीष। पत्रोत्तर की प्रतीक्षा में-
आपकी छोटी बहन
सुनीता

4. सेवा में,
प्रधानाचार्य महोदय,
डी.ए.वी. स्कूल (विद्यालय)
द्वारका-6, दिल्ली
विषय- रंगमंच प्रशिक्षण हेतु कार्यशाला का आयोजन
श्रीमान् जी,
सविनय निवेदन है कि मैं इस वर्ष ग्रीष्मावकाश में राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय के सहयोग से रंगमंच प्रशिक्षण के लिए दस दिवसीय एक कार्यशाला का आयोजन विद्यालय परिसर में करने की अनुमति चाहता हूँ। रंगमंच एक ऐसा माध्यम है जो न केवल हम छात्रों के विचारों को एक दिशा प्रदान करेगा बल्कि उन्हे भविष्य के लिए भी निर्देशित करेगा । इससे होने वाले लाभों से मैं आपको परिचित कराना चाहता हूँ।
रंगमंच का प्रशिक्षण लेने से छात्रों के व्यक्तित्व का विकास होने के साथ ही उसकी दबी छिपी प्रतिभा को निखरने का

अवसर प्राप्त होगा तथा छात्र अभिनय व कला द्वारा अन्तर्निहत शक्तियों को अभिव्यक्त करने में भी समर्थ होंगे। इसके साथ-साथ कुछ उच्छृंखल छात्रों को भी एक दिशा मिल जाएगी और इससे वे अपना समय इधर-उधर व्यतीत न कर एक उद्देश्यपूर्ण कार्य में लगायेगें व समय का सदुपयोग करेंगे।

अतः आपसे प्रार्थना है कि आप शीघ्रातिशीघ्र इस कार्यशाला का आयोजन करने की अनुमति प्रदान करें ताकि हम इस योजना को क्रियान्वित कर सकें।

सधन्यवाद !

प्रार्थी

गौरव

अनु. 32 दशमें क

डी.ए.वी. विद्यालय

द्वारका-6, दिल्ली

17 जनवरी, 2019